प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2020- 21 विषय- हिंदी (ऐच्छिक)विषय कोड- 002 कक्षा- बारहवीं

निर्धारित समय- 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देश: निम्नलिखित निर्देशों का पालन कीजिए:
इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं- खंड 'अ' और 'ब'| खंड 'अ' में वस्तुपरक तथा खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं|
खंड 'अ' में कुल 6 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं| दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए|
खंड 'ब' में कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं| दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए|

	खंड – अ वस्तुपरक-प्रश्न	
संख्या	**अपठित गद्यांश**	**(10)**
प्रश्न 1.	**निम्नलिखित में से किसी *एक* गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-** इंसान अपनी स्मृति की आधारशिला पर टिका होता है| उसकी स्मृतियाँ उसकी अस्मिता है और ये स्मृतियाँ ही उसके वर्तमान को अतीत से जोड़ती हैं| हम शायद कलम कहाँ रखी है यह भूल जाएँ, पर यह नहीं भूलते कि उर्दू क्लास के मौलवी साहब पान कैसे चबाते थे| लेकिन स्मृतियाँ कई बार हमारे दिमाग़ पर बोझ भी बन जाती हैं, फिर उन्हें दिमाग़ के कवाड़ से ढूँढना कठिन होता है| लेकिन कोई छोटी बात, कोई गंध, कोई स्पर्श झट से आपको पुरानी स्मृति से जोड़ देते हैं| संस्मरण वर्तमान में अतीत के बारे में लिखे जाते हैं| अतीत और वर्तमान के बीच वाचक के साथ काफ़ी कुछ घटित हो चुका होता है| संवेदना, भाषा, परिप्रेक्ष्य, अभिव्यक्ति, जीवन की प्राथमिकता, संबंध, दृष्टि आदि ऐसे बदल चुके होते हैं कि अतीत बिल्कुल उल्टा भी दिख सकता है| इमली तोड़ने के लिए आप बचपन में पेड़ पर चढ़े, गिरे, हाथ तुड़वा बैठे| तकलीफ़ हुई ऊपर से पिता ने पीटा, माँ ने कोसा| आज उसी घटना को याद कर हँसी आ सकती है| इमली की डाल कमज़ोर होती है, यह बच्चे को कहाँ पता? बेवकूफ़ी और उत्साह के मारे हाथ तुड़वा बैठे| पर तब वह हरक़त बेवकूफ़ी कहाँ लगी थी| आजकल हिंदी साहित्य में संस्मरणों की बहार है| संस्मरण की बहार यहीं नहीं है| अमरीका में लेखन-विधा के गुरु हैं विलियम जिंसर| वे लेखन का मैनुअल लिखते हैं- जीवनी कैसे लिखें, आत्मकथा कैसे लिखें आदि आदि| उन्होंने संस्मरणों के धुँआधार प्रकाशन पर टिप्पणी की, "यह संस्मरण का युग है| बीसवीं सदी के अंत के पहले कभी भी अमरीकी धरती पर व्यक्तिगत आख्यान की ऐसी जबर्दस्त फसल कभी नहीं हुई थी| हर किसी के पास कहने के लिए एक कथा है और हर कोई कथा कह रहा है| संस्मरणों की बाढ़ से अमरीकी इतने दुखी हुए कि संस्मरणों की पैरोडी तक लिखी जाने लगी| शुक्र मनाइये कि हिंदी में मामला यहाँ तक नहीं पहुँचा है|" संस्मरण क्यों लिखे जाते हैं? क्या संस्मरण नहीं लिखे तो लेखक के पेट में मरोड़ होगा? या उबकाई आ जाएगी? वह कौन-सी दुर्निवार इच्छा है जो संस्मरण लिखवाती है? हिंदी में संस्मरण यदाकदा लिखे जाते थे| आलोचना भी उसे एक अमहत्त्वपूर्ण विधा मानकर चलती थी, लिहाज़ा संस्मरणों की अनदेखी होती थी| जहाँ तक मेरा अनुमान है कि विश्वनाथ त्रिपाठी द्वारा नामवर सिंह पर लिखे संस्मरण 'हक जो अदा न हुआ' ने ऐसा धूम मचाया कि एकदम से इस विधा की क्षमता का पुनर्प्रकटीकरण हुआ और संस्मरण की ओर कई रचनाकार मुड़े| काशीनाथ सिंह का इस तरफ़ सबसे पहले मुड़ना संगत ही माना जाना चाहिए|	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-	

(i)	“हम शायद कलम कहाँ रखी है यह भूल जाएँ, पर यह नहीं भूलते कि उर्दू क्लास के मौलवी साहब पान कैसे चबाते थे|” प्रस्तुत पंक्ति का क्या भाव है?- I. बचपन की यादों को भूलना मुश्किल ही नहीं असंभव होता है।| II. पान चबाना दृश्य आधारित स्मृति है इसलिये भूलना कठिन होता है। III. शिक्षकों के हाव भाव स्मृति पटल पर स्थायी प्रभाव छोड़ देते हैं| IV. आयु के साथ हमारी लघु कालीन स्मृति कम हो जाती है और हम चीज़ें खोना शुरू कर देते हैं|	1
(ii)	किसी चीज़ की पैरोडी कब लिखी जाती है ....? I. जब हम किसी विशेष कार्य शैली से सहमत नहीं होते हैं | II. जब हम किसी संदर्भ कार्य का केवल उपहास करना चाहते हैं| III. किसी कार्य शैली की कमियों को बढ़ा चढ़ा कर उजागर करना चाहते हैं| IV. किसी कार्य के मूल लेखक से ईर्ष्या वश उसके उचित कार्य को नीचा दिखाना चाहते हैं|	1
(iii)	हिंदी साहित्य में संस्मरणों की स्थिति कैसी है? I. संस्मरण की अनदेखी बंद हो गई है| II. संस्मरण प्रचुर मात्रा में लिखे जा रहे हैं| III. आलोचक संस्मरण को महत्त्व नहीं देते हैं| IV. हिंदी के पाठक संस्मरण से व्यथित नहीं हैं|	1
(iv)	संस्मरण क्यों लिखने चाहिए? I. ताकि अपने लिये लिख कर अपनी जीवन सार्थकता सिद्ध की जा सके व दूसरों के लिये प्रेरणा दी जा सके। II. ताकि चुनौती पूर्ण जीवन सबक सीखने के बारे में लिख जीवन की भाग दौड़ से थके लोगों का मनोरंजन किया जा सके। III. ताकि पेचीदा सवालों या सामाजिक मुद्दों पर नए और सार्थक दृष्टिकोणों द्वारा शिक्षण प्रदान किया जा सके। IV. ताकि शिक्षकों व संपादकों के अनुसार न लिख कर अपने ढंग से मौलिक व नई बात की जा सके।	1
(v)	बचपन में हाथ तुड़वाना बेवकूफ़ी क्यों नहीं लगती है? I. बच्चे यह चाहते हैं कि वह भी जो वस्तु लेना चाहते है उसे ले सके| II. बच्चों को यह नहीं बताया जाना अच्छा नहीं लगता कि क्या कब तथा कैसे करना है। III. बच्चे इस का अंदाजा नहीं कर पाते की कि उनके किस कार्य से क्या हो सकता है| IV. बच्चों में अत्यधिक ऊर्जा होती है तथा जब वे उत्तेजना में कमी पाते हैं तो ऊब जाते हैं जिसकी परिणीति शरारत के रूप में होती है।	1
(vi)	'धूम मचाने'- का क्या तात्पर्य हो सकता है? I. संस्मरण विधा का तड़क भड़क व विलासिता पूर्ण प्रकार से साहित्य जगत में प्रवेश। II. संस्मरण की विधा को प्रसिद्धि मिलना व जगह-जगह इसकी चर्चा होना। III. संस्मरण विधा का धूम धड़ाके से कायाकल्प होना। IV. संस्मरण विधा का बाकि सारी विधाओं पर वर्चस्व स्थापित होना।	1
(vii)	प्रस्तुत गद्यांश का शीर्षक हो सकता है? I. संस्मरण विधा का वर्तमान हिंदी साहित्य में स्थान| II. संस्मरण विधा का हिंदी साहित्य पर प्रभाव| III. हिंदी व पाश्चात्य साहित्य में संस्मरणों की तुलना| IV. हिंदी साहित्य में संस्मरण विधा की निरर्थकता|	1
(viii)	जो कल सीधा दिखाई देता था वही आज उल्टा क्यों दिख सकता है?	1

	I. आयु बढ़ने के साथ-साथ वाचक की नज़र प्रभावित हो जाती है। II. अतीत और वर्तमान के बीच देखने वाले की दृष्टि और परिप्रेक्ष्य बदल जाता है। III. बच्चों में भावनाओं पर नियंत्रण रख कार्य के संभव परिणाम को समझने की क्षमता कम होती है। IV. संवेदना, भाषा, परिप्रेक्ष्य और अभिव्यक्ति संस्मरण के लेखन को प्रभावित करते हैं।	
(ix)	संस्मरण लेखन का उद्देश्य हुआ करता है....? I. जीवन की घटनाओं का उनकी तमाम बारीकिओं के साथ ब्यौरा दे साहित्य जगत में इस विधा का डंका बजवाना। II. मानव लालन पालन, शिक्षा अथवा जीवन के बारे में लिख यह संदेश दिया जाना कि हम कुछ विश्वासों को कैसे धारण करते हैं। III. जीवन घटनाओं की वह जानकारियाँ देना जो जीवन के महत्वपूर्ण मुद्दों को गहराई से समझने में मदद कर सकती हैं। IV. सोशल नेटवर्किंग द्वारा आम लोगों को अपने जीवन पर विचार प्रकट करने के अवसर दिया जाना।	1
(x)	मनुष्य की यादें उसके लिए क्यों आवश्यक हैं? I. यादें हमें बताती हैं क्या गलत और क्या सही है| II. बिना यादों के मानव सभ्यता का विकास संभव नहीं है| III. यदि हम चीज़ों को भली भांति याद रखते हैं तो परीक्षा में असफल होने का डर नहीं रहता| IV. यादें होने से हम जीवन के वो महत्वपूर्ण सबक सीखते हैं जिनका हम भविष्य में उपयोग जीवन सुधार सकते हैं|	1
	अथवा	
	गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:- मुझे एक अफ़सोस है, वह अफ़सोस यह है कि मैं उन्हें पूरे अर्थों में शहीद क्यों नहीं कह पाता हूँ, मरते सभी हैं, यहाँ बचना किसको है! आगे-पीछे सबको जाना है, पर मौत शहीद की ही सार्थक है, क्योंकि वह जीवन की विजय को घोषित करती है| आज यही ग्लानि मन में घुट-घुटकर रह जाती है कि प्रेमचंद शहादत से क्यों वंचित रह गए? मैं मानता हूँ कि प्रेमचंद शहीद होने योग्य थे, उन्हें शहीद ही बनना था| और यदि नहीं बन पाए हैं वे शहीद तो मेरा मन तो इसका दोष हिंदी संसार को भी देता है| मरने से एक-सवा महीने पहले की बात है, प्रेमचंद खाट पर पड़े थे| रोग बढ़ गया था, उठ-चल न सकते थे| देह पीली, पेट फूला, पर चेहरे पर शांति थी| मैं तब उनकी खाट के पास बराबर काफ़ी-काफ़ी देर तक बैठा रहा हूँ| उनके मन के भीतर कोई खीझ, कोई कड़वाहट, कोई मैल उस समय करकराता मैंने नहीं देखा, देखते तो उस समय वह अपने समस्त अतीत जीवन पर भी होंगे और आगे अज्ञात में कुछ तो कल्पना बढ़ाकर देखते ही रहे होंगे लेकिन दोनों को देखते हुए वह संपूर्ण शांत भाव से खाट पर चुपचाप पड़े थे| शारीरिक व्यथा थी, पर मन निर्विकार था| ऐसी अवस्था में भी उन्होंने कहा- जैनेन्द्र! लोग ऐसे समय याद किया करते हैं ईश्वर| मुझे भी याद दिलाई जाती है| पर अभी तक मुझे ईश्वर को कष्ट देने की जरुरत नहीं मालूम हुई है| शब्द हौले-हौले थिरता से कहे गए थे और मैं अत्यंत शांत नास्तिक संत की शक्ति पर विस्मित था| मौत से पहली रात को मैं उनकी खटिया के बराबर बैठा था| सबेरे सात बजे उन्हें इस दुनिया से आँख मीच लेनी थीं| उसी सबेरे तीन बजे मुझसे बातें होती थीं| चारों तरफ सन्नाटा था| कमरा छोटा और अंधेरा था| सब सोए पड़े थे| शब्द उनके मुँह से फुसफुसाहट में निकलकर खो जाते थे| उन्हें कान से अधिक मन से सुनना पड़ा था|	

	रात के बारह बजे 'हंस' की बात हो चुकी थी| अपनी आशाएँ, अपनी अभिलाषाएँ, कुछ शब्दों से और अधिक आँखों से वह मुझपर प्रकट कर चुके थे| 'हंस' की और 'साहित्य' की चिंता उन्हें तब भी दबाए थी| चिंता का केंद्र यही था कि 'हंस' कैसे चलेगा? नहीं चलेगा तो क्या होगा? 'हंस' के लिए जीने की चाह तब भी उनके मन में थी और 'हंस' न जिएगा, यह कल्पना उन्हें असहाय थी| हिंदी-संसार का अनुभव उन्हें आश्वस्त न करता| 'हंस' के लिए न जाने उस समय वे कितना झुककर गिरने को तैयार थे| अपने बच्चों का भविष्य भी उनकी चेतना पर दबाव डाले हुए था| मुझसे उन्हें कुछ ढाँढस था| मुझे यह योग्य जान पड़ा कि कहूँ- 'वह' मरेगा नहीं! वह आपका अख़बार है, तब वह बिना झुके ही जिएगा| लेकिन मैं कुछ भी न कह सका और कोई आश्वासन उस साहित्य-सम्राट को आश्वस्त न कर सका|	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	प्रेमचंद को लेखक से क्या आशा थी? I. लेखक हिंदी साहित्य में उनके द्वारा रचित साहित्य को उचित स्थान दिलवायेंगे| II. लेखक उनके बच्चों का उचित मार्गदर्शन कर उन्हें जीवन कौशल हासिल करने में सहायता करेंगे| III. लेखक उनके पश्चात हंस को गुणवत्ता में बिना कोई समझौता किये चलाएगें| IV. लेखक हिंदी संसार में ऐसे बदलाव लाएँगें जिसमे प्रगतिशील व भविष्योन्मुखी साहित्य भी अपना उचित स्थान प्राप्त कर सकेगा|	1
(ii)	प्रेमचंद की चिंता का विषय क्या था? I. समाज में प्रचलित जाति प्रथा व ऐसी ही अन्य कुरीतियाँ, मानवाधिकारों का हनन आदि मुद्दे| II. सामजिक न्याय, अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, रूढ़ियों के खिलाफ जिहाद जैसे मूल्यों रखने वाले लोगों का अभाव| III. हिंदी संसार द्वारा प्रगतिशील, क्रन्तिकारी व समाजवादी साहित्य की अवहेलना| IV. देश को पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त कराने का सपना टूट जाने की चिंता|	1
(iii)	प्रेमचंद जी के व्यक्तित्व के विषय में कौन सा निष्कर्ष निश्चित रूप से निकाला जा सकता है?- I. वह ईश्वरीय सत्ता में विश्वास नहीं रखने वाले थे| II. वह अपने बच्चों से अत्यधिक प्रेम करते थे| III. वह कलम के लिये शहीद होने की भावना रखते थे| IV. उनमें देश भक्ति कूट कूट कर भरी थी|	1
(iv)	गद्यांश के अनुसार प्रेमचंद अधूरे शहीद थे| ऐसा क्यों कहा गया है? I. पूर्ण शहीद होने के लिये अपने विचारों के चलते अन्य लोगों के हाथों मरना होता है| II. शहीद कभी समझौता नहीं करते पर वे झुकने को तैयार थे| III. क्योंकि वह साम्यवादी थे जो शहीद हो जाने के विरुद्ध विचार का पक्षधर है| IV. शहादत विजय घोष का प्रतीक है जिसका अनुभव वे नहीं कर पाये थे|	1
(v)	प्रेमचंद हिंदी साहित्य संसार के शहीद नहीं बन पाए| लेखक का मन हिंदी संसार को इसका दोष क्यों देता है? I. हिंदी संसार द्वारा उनकी मृत्यु पश्चात् उनके विचारों को सराहा गया व महत्ता दी गई| II. हिंदी संसार से उन्हें ऐसा अनुभव हुआ था कि वे किसी भी हद तक झुकने को भी तैयार थे| III. हिंदी संसार अंग्रेज़ों के भय वश हिंदी क्रन्तिकारी साहित्य को मान्यता नहीं देता था| IV. प्रेमचंद प्रचलित परम्पराओं की वकालत करने से इनकार कर प्रगतिशील साहित्य का सृजन करते रहे इसलिए हिंदी जगत ने उन्हें नहीं स्वीकारा था।	1
(vi)	"शारीरिक व्यथा थी, पर मन निर्विकार था|"- पंक्ति के **सबसे उचित** भाव का चयन कीजिए:- I. तन बीमार और मन निरंकार था| II. तन व्याधिग्रस्त था पर मन किंकर्तव्यविमूढ़ था|	1

	III. तन बीमार पर मन निर्विचार था| IV. तन बीमार पर मन निश्छल था|	
(vii)	हंस नहीं जी पायेगा मैं 'हंस' क्या हो सकता है?- I. सरस्वती देवी का वाहन| II. प्रेमचंद की उपाधि जैसे रामकृष्ण जी की 'परमहंस' थी| III. पत्र साहित्य का नाम| IV. ज्ञान व विद्या का प्रतीक|	1
(viii)	थिरता शब्द का अर्थ है I. थिरकते हुए| II. थरथराते हुए| III. स्थिरता से| IV. रुक रुक कर|	1
(ix)	प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है? I. जग चेतना के प्रतीक प्रेमचंद| II. हिंदी संसार का अधूरा शहीद| III. एक रचियता की शहादत| IV. प्रेमचंद से जैनेन्द्र तक|	1
(x)	"उन्हें कान से अधिक मन से सुनना पड़ा था|"- प्रस्तुत पंक्ति से लेखक का क्या अभिप्राय है? I. चूँकि वह स्पष्ट नहीं बोल रहे थे इसलिये अंदाज़े से काम चलाना पड़ा था| II. वह फुसफुसा रहे थे और कदाचित मनगढ़ंत बातें कर रहे थे| III. वह शब्दों से कम परन्तु भावों से अधिक बात कर रहे थे| IV. अंतिम समय निकट जान वह मन की बातें कर रहे थे|	1
प्रश्न	**निम्नलिखित में से किसी *एक* पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-** एक बार मुझे आँकड़ों की उल्टियाँ होने लगीं गिनते गिनते जब संख्या करोड़ों को पार करने लगी मैं बेहोश हो गया होश आया तो मैं अस्पताल में था खून चढ़ाया जा रहा था ऑक्सिजन दी जा रही थी कि मैं चिल्लाया डाक्टर मुझे बुरी तरह हँसी आ रही यह हँसाने वाली गैस है शायद प्राण बचाने वाली नहीं तुम मुझे हँसने पर मजबूर नहीं कर सकते इस देश में हर एक को अफ़सोस के साथ जीने का पैदाइशी हक़ है वरना कोई माने नहीं रखते हमारी आज़ादी और प्रजातंत्र बोलिए नहीं- नर्स ने कहा- बेहद कमज़ोर हैं आप बड़ी मुश्किल से क़ाबू में आया है रक्तचाप डाक्टर ने समझाया- आँकड़ों का वायरस बुरी तरह फैल रहा आजकल सीधे दिमाग़ पर असर करता भाग्यवान हैं आप कि बच गए	**8**

	कुछ भी हो सकता था आपको – सन्निपात कि आप बोलते ही चले जाते या पक्षाघात कि हमेशा के लिए बन्द हो जाता आपका बोलना मस्तिष्क की कोई भी नस फट सकती थी इतनी बड़ी संख्या के दबाव से हम सब एक नाज़ुक दौर से गुज़र रहे तादाद के मामले में उत्तेजना घातक हो सकती है आँकड़ों पर कई दवा काम नहीं करती शांति से काम लें अगर बच गए आप तो करोड़ों में एक होंगे..... अचानक मुझे लगा ख़तरों से सावधान कराते की संकेत-चिह्न में बदल गई थी डाक्टर की सूरत और मैं आँकड़ों का काटा चीख़ता चला जा रहा था कि हम आँकड़े नहीं आदमी हैं|	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	डॉक्टर के अनुसार आँकड़े क्या कर सकते हैं? I. बहुत अधिक चिंताग्रस्त कर सकते हैं| II. बहुत अधिक उत्तेजित कर सकते हैं| III. आंकड़ों की तादादनुसार इंसान का मूल्य घट-बढ़ सकता है| IV. चित्त भ्रांत कर अंड- बंड बकने पर मजबूर कर सकते हैं|	1
(ii)	कविता का **सटीक** केंद्रीय भाव किसे कहा जा सकता है? I. इंसान का अस्तित्व उसकी सोच व भावनाएं अब एक आंकड़ा मात्र रह गयी हैं| II. आंकड़े मानवता की बारीकिओं व अन्य सामाजिक पहलुओं का समावेश नहीं हैं| III. अफ़सोस के साथ जीने का अधिकार जन्मसिद्ध है| IV. इंसान के गुण,प्रतिभा व विशेषताएँ आज की स्थिति में गौण हो गये हैं|	1
(iii)	अफ़सोस के साथ जीने का पैदाइशी हक़ संविधान में दिये किस अधिकार के अंतर्गत आयेगा? I. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता| II. शोषण के विरुद्ध| III. संवैधानिक उपचार| IV. संस्कृति व शिक्षा|	1
(iv)	'आँकड़ों की उल्टियाँ'- से कवि का क्या तात्पर्य है? I. आंकड़े इतने अधिक थे कि दिमाग उन्हें स्वीकार नहीं कर रहा था| II. आंकड़े इतने सटीक थे की लेखक का दिमाग भ्रमित हो गया था| III. आंकड़ों में निहित निष्कर्ष अत्यंत खेद-जनक व उपायहीन थे| IV. आंकड़े इतनी तेज़ी से बढ़ रहे थे कि सन्निपात का रोग हो सकता था|	1
(v)	"तादाद के मामले में उत्तेजना घातक हो सकती है"- पंक्ति का **सही** भावार्थ हो सकता है? I. तादाद घातीय प्रकार से वृद्धि कर उत्तेजित कर सकती है| II. तादाद द्वारा जनित उत्तेजना प्राणनाशक हो सकती है| III. समझदार लोग तादाद की घात से प्रभावित नहीं होते हैं| IV. उत्तेजना की तादाद मनुष्य के पतन का एक मुख्य कारण हो सकता है|	1

(vi)	'आँकड़ों का वायरस बुरी तरह फैल रहा आजकल'- पंक्ति में आँकड़ों के किस प्रभाव की बात कही गई है? I. बड़ी मात्रा में तथ्य असलियत को ढाँप लेते हैं| II. बड़ी मात्रा में तथ्य लोगों का दिमाग़ ख़राब कर देते हैं| III. बड़ी मात्रा में तथ्य भी एक प्रकार का वायरस ही है| IV. बड़ी मात्रा में तथ्य उत्तेजित कर देते हैं|	1
(vii)	'हमारी आज़ादी और प्रजातंत्र मायने तभी रखते हैं जब-....................'? I. पैदाइशी हक़ दिए जाएँ| II. हँसने पर मजबूर न किया जाए| III. अफ़सोस के साथ जीने दिया जाए| IV. अपनी मर्ज़ी से जीवन जीने दिया जाए|	1
(viii)	'नाजुक दौर'- से कवि कहना चाहता है कि................? I. सत्य बहुत कठिन है| II. साँच को आँच नहीं| III. आँकड़े बहुत ज़्यादा हैं, सत्य कम| IV. सर्वेक्षणों ने मानसिक परेशानियाँ पैदा कर दी हैं|	1
	अथवा	
	कितने दिनों बाद आज फिर जब तुमसे सामना हुआ उस भीड़ में अकस्मात, जहाँ इसकी कोई आशंका न थी, तो मैं कैसा अचकचा गया रँगे हाथ पकड़े गये चोर की भाँति| तुरंत अपनी घोर अकृतज्ञता का भान हुआ लज्जा से मस्तक झुक गया अपने आप| याद पड़ा तुमने ही दिया था वह बोध, जो प्यार के उलझे हुए धागों को धीरज और ममता से सँवारता है, दी थी वह करुणा जिसके सहारे आत्मीयों के असहाय आघात सहे जाते हैं, सह्य हो जाते हैं- और वह अकुण्ठित विश्वास कि जीवन में केवल प्रवंचना ही नहीं है अंतर की अकिंचनताएँ प्रतिष्ठित सहयोगियों की कुटिलता ही नहीं है, किसी क्षणिक सिद्धि दम्भ में शिखर की छाती कुचलने को उद्यत बौनों का अहंकार ही नहीं है-	

	जीवन में और भी कुछ है| तुम्हारी ही दी हुई थी वह अनन्य अनुभूति कि वर्षा की पहली बौछार से सिर-चढ़ी धूल के दबते ही खुली निखरने वाली आकाश की शांतिदायिनी अगाध नीलिमा, वर्षों बाद अचानक अकारण ही मिला किसी की अम्लान मित्रता का संदेश, दूर रहकर भी साथ-साथ एक ही दिशा में चलते हुए सहकर्मियों का आश्वासन- ये सब भी तो जीवन में है, तुम ने कहा था| यह सब, न जाने और क्या-क्या मुझे याद आया और एक अपूर्व शांति से परिपूर्ण हो गया मैं जब आज अचानक ही भीड़ में इतने दिनों बाद तुम से यों सामना हो गया ओ मेरे एकांत!	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार **सबसे उचित** विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	"जहाँ इसकी कोई आशंका न थी"- पंक्ति में कवि ने 'आशंका' शब्द के स्थान पर 'आशा' शब्द का प्रयोग नहीं किया है| ऐसा क्यों? - I. कवि का जिससे सामना हुआ कवि उससे मिलने में डर रहा था| II. कवि का जिससे सामना हुआ कवि उससे मिलने के लिए उद्यत था| III. कवि का जिससे सामना हुआ उसके कवि पर बहुत उपकार थे| IV. कवि का जिससे सामना हुआ उसके प्रति कवि ईमानदार नहीं था|	1
(ii)	कवि का अचानक से किस से सामना हुआ है? - I. प्रेयसी| II. प्रेरणा| III. परिपूर्णता| IV. पृथकत्व|	1
(iii)	'अंतर की अकिंचनताएँ' कवि के किस गुण को प्रदर्शित करती हैं? I. अनुकूलन| II. अदक्षतायें| III. आंतरिक प्रज्ञता| IV. अकरुणामयता|	1
(iv)	"अम्लान मित्रता"- से कवि का **सटीक** तात्पर्य क्या है? I. अपरिपूर्ण दोस्ती|	1

	II. अप्रत्याशित मित्रता| III. आभापूर्ण स्नेह| IV. अविश्वसनीय मैत्री|	
(v)	कवि को लज्जा का अनुभव क्यों हुआ? I. एकांत से नज़रे चुराने के कारण कवि अपने आप को दोषी मान रहा था| II. कवि ने सोचा कि लोगों को पता चलेगा तो वो क्या कहेगें| III. कवि को अपनी क्षुद्रता का अनुभव हो गया था| IV. कवि का आत्म सम्मान नष्ट हो गया था|	1
(vi)	सिर-चढ़ी धूल कैसे धुल गई? I. वर्षा की पहली बौछार से| II. अहंकार के मिटने से| III. एकांत में सत्य की अनुभूति से| IV. अपनी गलतियों पर लज्जित होने से|	1
(vii)	कवि अचकचा गया क्योंकि....................? I. एकांत में स्वयं से सामना होने के कारण| II. उसने अवश्य कोई अपराध किया था| III. कवि लज्जित हो गया था| IV. पुराने मित्र से भेंट होने के कारण|	1
(viii)	'प्रवंचना' से कवि का तात्पर्य है.............? I. धोखा| II. निंदा| III. अकृतज्ञता IV. ईर्ष्या	1
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	**(5)**
3.	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-**	**5x1 =5**
(i)	जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम है:- I. रेडियो| II. टीवी| III. प्रिंट| IV. नारद मुनि|	1
(ii)	दृश्य-श्रव्य-प्रिंट जनसंचार माध्यम का उदाहरण हो सकते हैं:- I. टीवी-रेडियो-कागज़| II. टीवी-रेडियो-समाचारपत्र| III. समाचारपत्र-रेडियो-टीवी| IV. सिनेमा-आकाशवाणी-इंटरनेट|	1
(iii)	इंटरनेट पत्रकारिता आजकल बहुत लोकप्रिय है क्योंकि:- I. इससे दृश्य-श्रव्य एवं प्रिंट तीनों माध्यम एक साथ लाभ देते हैं| II. इससे खबरें बहुत तीव्र गति से पहुँचाई जाती हैं| III. इससे सही समाचार जल्दी प्राप्त होते हैं|	1

	IV. इससे खबरों की पुष्टि जल्दी हो जाती है|	
(iv)	फ्रीलांसर होता है: I. पूर्णकालिक पत्रकार| II. अंशकालिक पत्रकार| III. स्वतंत्र पत्रकार| IV. अर्धकालिक पत्रकार|	1
(v)	समाचार लेखन के छः ककार हैं: I. क्या, कौन, कहाँ, कभी, किस के, कैसे| II. क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों, किस से| III. क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों, कैसे| IV. क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों, किस से|	1
	पाठ्य-पुस्तक	**(10)**
4.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-** तोड़ो तोड़ो तोड़ो ये पत्थर ये चट्टानें ये झूठे बंधन टूटे तो धरती को हम जाने सुनते हैं मिट्टी में रस है जिससे उगती दूब है अपने मन के मैदानों पर व्यापी कैसी ऊब है!	**5x1 =5**
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	कवि किसे तोड़ देने की बात करता है? I. पत्थर को| II. चट्टान को| III. झूठे बंधनों को| IV. जीवन के अवरोधों को|	1
(ii)	झूठे बंधन किसे कहा गया है? I. परंपरा| II. रीति-रिवाज| III. धर्म- जाति| IV. खोखले रिश्ते|	1
(iii)	धरती किसका प्रतीक है? I. जमीन| II. मन| III. शरीर| IV. रचनाशीलता|	1
(iv)	जिससे उगती दूब है- पंक्ति में 'दूब' क्या है? I. सृजन II. पुस्तक III. घास IV. रस	1
(v)	मन में ऊब होने से क्या होगा? I. रचना नहीं होगी|	1

	II. आधी रचना होगी| III. अच्छी रचना होगी| IV. अधूरी रचना होगी|	
5.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-** भारत की सांस्कृतिक विरासत यूरोप की तरह म्यूज़ियम्स और संग्रहालयों में जमा नहीं थी- वह उन रिश्तों से जीवित थी, जो आदमी को उसकी धरती,उसके जंगलों,नदियों-एक शब्द में कहें- उसके समूचे परिवेश के साथ जोड़ते थे। अतीत का समूचा मिथक संसार पोथियों में नहीं, इन रिश्तों की अदृश्य लिपि में मौजूद रहता था। यूरोप में पर्यावरण का प्रश्न मनुष्य और भूगोल के बीच संतुलन बनाए रखने का है –भारत में यही प्रश्न मनुष्य और उसकी संस्कृति के बीच पारंपरिक संबंध बनाए रखने का हो जाता।	**5x1 =5**
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	भारत की सांस्कृतिक विरासत किसमें निहित है? I. संग्रहालयों में| II. परिवेश में| III. जंगलों में| IV. रिश्तों में|	1
(ii)	गदयांश में किसके मिथक संसार की बात हो रही है? I. यूरोप की| II. भारत की| III. अतीत के रिश्तों की| IV. मनुष्य की|	1
(iii)	रिश्तों की अदृश्य लिपि– से आप क्या समझते हैं? I. मनुष्य के आपसी संबंध| II. भारत की सांस्कृतिक पहचान| III. प्रकृति से रिश्ते| IV. मनुष्य और प्रकृति का संबंध|	1
(iv)	'मनुष्य और भूगोल के बीच संतुलन' से क्या अभिप्राय है? I. मनुष्य और धरती का संबंध| II. अपने परिवेश से संबंध| III. पर्यावरण और मनुष्य का संबंध| IV. पर्यावरण को बचाना|	1
(v)	भारत में पर्यावरण का प्रश्न किससे संबन्धित है? I. मनुष्य से| II. परिवेश से| III. प्रकृति से| IV. संस्कृति से|	1
	पूरक पाठ्य-पुस्तक	**(07)**
6.	**निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-**	**07**
(i)	'चूल्हा ठंडा किया होता तो दुश्मनों का कलेजा कैसे ठंडा होता'– पंक्ति में 'चूल्हा ठंडा करने' का क्या अर्थ है? I. चूल्हा बुझा देना| II. चूल्हे की आग बुझा देना|	1

	III. पानी से आग बुझा देना| IV. चूल्हे में पानी डाल देना|	
(ii)	सैलानी किसे कहते हैं? I. सैल पर निवास करने वाले| II. पहाड़ घूमने वाले| III. पर्यटन करने वाला| IV. सैर करने वाला|	1
(iii)	महीप कौन था? I. एक पहाड़ी लड़का| II. भूपदादा का बेटा| III. तिरलोक सिंह का बेटा| IV. रूप सिंह का बेटा|	1
(iv)	'आरोहण' कहानी की मूल संवेदना क्या है? I. पर्वतीय लोगों की संघर्षमयी ज़िंदगी| II. भूपदादा का कठिन जीवन| III. पहाड़ों में भौतिक उन्नति की कमी| IV. रोजगार का अभाव|	1
(v)	लेखक ने माँ की तुलना बतख से क्यों की है? I. अपनी नजरों के सामने रखने से| II. उसके खाने-पीने का खयाल रखने के कारण| III. उसकी देखभाल करने से| IV. बच्चों के प्रति सतर्क रहने से|	1
(vi)	कोइयाँ किसे कहते है? I. कमल| II. मखाना| III. जलकुंभी| IV. कुमुद|	1
(vii)	औद्योगीकरण के विकास का प्रभाव हमारी नदियों पर किस प्रकार पड़ रहा है? I. नदियां विकसित हो रही हैं| II. नदियां दूषित हो रहीं हैं| III. नदियां सुख रहीं हैं| IV. नदियों में बाढ़ आ रही है|	1
	खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न	
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	**(20)**
7.	**निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए:-** **I.** अक्ल बड़ी या भैंस| **II.** गाँव लौटते मज़दूर| **III.** मैंने हारना नहीं सीखा|	**5**
प्रश्न 8.	सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध नियम के उल्लंघन पर चिंता जताते हुए अपने क्षेत्र के पर्यावरण निदेशालय के संयुक्त सचिव को सुझावात्मक पत्र लिखिए| ***अथवा***	**5x1 =5**

	महामारी के बाद लोगों के असहाय-निरुपाय जीवन के बारे में बताते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए|	
9.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-**	**5**
(i)	रेडियो के संदर्भ में श्रव्य माध्यमों की दो सीमाएँ बताएँ? किसी एक सीमा से पार पाने का उपाय भी बताएँ| ***अथवा*** कविता के महत्त्वपूर्ण घटक कौन-कौन से हैं?	3
(ii)	कहानी और नाटक में क्या समानताएँ होती हैं? ***अथवा*** कहानी और नाटक में क्या अंतर होता है। कोई दो अंतर स्पष्ट कीजिए।	2
10.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-**	**5**
(i)	उलटा पिरामिड शैली से क्या अभिप्राय है? ***अथवा*** विशेष लेखन किसे कहते हैं? समाचार-पत्रों में विशेष लेखन की भूमिका स्पष्ट कीजिए।	3
(ii)	स्तंभ लेखन से आप क्या समझते हैं? टिप्पणी कीजिए| ***अथवा*** फीचर क्या है? यह कैसे लिखा जाता है?	2
	पाठ्य-पुस्तक	**(20)**
11.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:-**	**6**
(i)	कार्नेलिया के गीत कविता में वर्णित भारत के प्राकृतिक सौंदर्य को अपने शब्दों में लिखिए।	3
(ii)	स्वतन्त्रता के बाद ईमानदार लोग हाथ फैलाने पर विवश क्यों हो गए?	3
(iii)	राम वन गमन के पश्चात कौशल्या की स्थिति पर टिप्पणी कीजिए|	3
12.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:-**	**4**
(i)	विद्यापति की नायिका पर कोयल और भौंरे का प्रभाव किस प्रकार पड़ता है?	2
(ii)	वसंत के आने की सूचना कवि को कैसे मिलती है?	2
(iii)	सत्य का दिखने और ओझल होने से आप क्या समझते हैं?	2
13.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:-**	**6**
(i)	पं. रामचंद्र शुक्ल का हिन्दी साहित्य के प्रति झुकाव किस तरह बढ़ता गया?	3
(ii)	थाना बिंहपुर स्टेशन पहुंचने के बाद हरगोबिन का मन भारी क्यों हो गया?	3
(iii)	गंगापुत्र के लिए गंगा मैया ही जीविका और जीवन है- कैसे?	3
14.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:-**	**4**
(i)	आदमी उजडेंगे तो पेड़ जीवित रहकर क्या करेंगे – कथन का आशय स्पष्ट कीजिए?	2
(ii)	राजा ने प्रजा को आँखें बंद करने के लिए क्यों कहा है?	2
(iii)	बालक द्वारा लड्डू मांगे जाने पर लेखक को अच्छा क्यों लगा?	2